an>

Title: Need to give facilities to Kawariyas in Bihar and Jharkhand.

**श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) :** सभापति महोदय, मैं सर्वप्रथम आप को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं कि आप ने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का समय दिया है।

महोदय, बिहार एवं झारखण्ड राज्य में प्रति वर्ष आयोजित होने वाला विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला दिनांक 13 जुलाई, 2014 से प्रारंभ हो रहा है। इस मेले में लाखों कांवरिया श्रद्धालु अजगैबीनाथ धाम, (सुल्तानगंज, भागलपुर, बिहार) स्थित उत्तर वाहिनी जाह्नवी गंगा से गंगा जल लेकर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा बैद्यनाथ धाम, (देवघर, झारखण्ड) में इस पवित्र गंगा जल से जलाभिषेक करते हैं। वैसे तो बाबाधाम यात्रा पैदल एवं सड़क मार्ग से सालों भर होती रहती है, परन्तु श्रावण मास का एक विशेष महत्व है, जिसमें लाखों श्रद्धालु कांवरिया लगातार 120 किलो मीटर के उस दुर्गम मार्ग पर खाली पांव पैदल यात्रा रात-दिन करते रहते हैं। इनमें अपने देश के अतिरिक्त लगभग एक दर्जन से भी ज्यादा देशों, यथा - नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यामांर, श्रीलंका, मॉरीशस, त्रिनिडाड एवं टोबैगो आदि कई देशों से श्रद्धालु भक्त शामिल होते हैं। यह मेला हमारे देश के सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकात्मकता और अखंडता का प्रतीक है जिसमें सभी वर्ग के लोग एक साथ, अमीर-गरीब, छोटे-बड़े का भेदभाव भुला कर "बोल बम " का उद्घोष करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम में जल अर्पित करते हैं। बड़ा बम, छोटा बम, भैया बम, बहना बम, माता बम - ये है, द्वादश ज्योतिर्लिंग, हमारी सामाजिक समरसता। इस मेले से देश की अंतरराष्ट्रीय छवि दुनियां भर में उजागर होती है और यह "वसुधैव कुटुम्बकम" का संदेश पूरे विश्व को देता है। मनोकामना सिर्फ एक है -

"सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे संतु निरामया:

सर्वे भद्राणी पश्यंतु, मां कश्चित् दुख भाग्भवेत्।"

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं, यहां तक कि बड़ी संख्या में दूसरे धर्मावलम्बियों के लोग भी अपनी मनोकामना काँवर लेकर डाक बम के रूप में लगातार जाते रहते हैं। यह पावन पवित्र मेला दो राज्यों विशेषकर बिहार और झारखंड से संबंधित है। इसलिए इन दोनों राज्यों में समन्वय स्थापित करने के लिए केन्द्र सरकार पहल करे और साथ ही इसके सफल आयोजन तथा कांवरियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। सरकार इसे "राष्ट्रव्यापी तीर्थाटन मेला" का दर्जा देते हुए एक अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की संस्कृति की एक श्रेष्ठ छवि दर्शाने तथा मेले के सुव्यवस्थित और सुचारू आयोजन हेतु एक "तीर्थाटन मेला विकास प्राधिकरण" का गठन करने का भी मैं आग्रह करता हूं। कांवरियों की यात्रा को सुविधायुक्त बनाने के लिए दोनों राज्य सरकारों द्वारा दी जाने वाली सहायता के अतिरिक्त अलग से केन्द्रीय वित्तीय सहायता भी प्रदान करने का मैं आग्रह करता हूं।

सभापति महोदय, अंत में मैं यह कहना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार द्वारा घोषित पांच सर्किट के रूप में, जो तीर्थाटन सर्किट के रूप में बात कही गई है, इसके लिए मैं श्री नरेन्द्र भाई मोदी, भारत के प्रधान मंत्री जी, श्री अरुण जेटली जी और पूरे मंत्रिमंडल को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए, आपके माध्यम से आग्रह करता हूं कि भारत में जितने भी तीर्थ केन्द्र हैं, कृपया उन्हें पर्यटन से न जोड़ा जाए।...(व्यवधान) इससे भावना पर चोट पहुंचती है, उसके लिए अलग से तीर्थाटन विभाग का गठन होना चाहिए, क्योंकि ये का केन्द्र है। साथ ही मैं चाहूँगा कि सरकार द्वारा बजट भाषण में पांच सर्किट में से एक सर्किट कांवरिया सर्किट के रूप में हो जो अजगैबीनाथ धाम, सुल्तानगंज से लेकर बाबा वैद्यनाथ धाम से देवघर होते हुए बाबा वासुकीनाथ मंदार पर्वत होते हुए, चम्पा नगरी, भागलपुर प्राचीन वि.वि. विक्रमशिला होते हुए,...(व्यवधान) एक सर्किट बनना चाहिए। सरकार से पर्यटन विभाग के साथ-साथ तीर्थाटन विभाग का अलग से गठन करने का भी मैं आग्रह करता हूं।

**माननीय सभापति :** आप ये ध्यान रखिए कि सात बजे तक का समय है और हम चाहते हैं कि सात बजे तक समाप्त कर दें।